Janpath Samachar (Siliguri) (RGL Article) 27 September, 2021 Pg.11

ब्रांडेड ज्वेलरी हैं जेम और ज्वेलरी उद्योग का नया ग्रोथ इंजन : सुमित शाह, रेनेसंस ग्लोबल

मुंबई (कार्यालय संवाददाता)। जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग भारतीय अर्थ व्यवस्था का एक मुख्य स्तंभ है और उसका भारत के निवासियों के साथ मजबूत सांस्कृतिक संबंध है। जनवरी 2021 को भारत के गोल्ड एवं डायमंड व्यापार ने भारत की जीडीपी में 7.5 प्रतिशत का और भारत के कुल मर्चेंडाइज निर्यात में 14 प्रतिशत का योगदान दिया। ग्रोथ और वैल्यू एडिशन के लिए इसकी संभावना को ध्यान में रखते हुए सरकार ने निर्यात प्रमोशन के लिए जेम्स एवं ज्वेलरी क्षेत्र को फोकस एरिया घोषित किया है। रेनेसंस ग्लोबल लिमिटेड के संस्थापक एवं वाइस चेयरमैन सुमित शाह ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा यह जानकारी दी।

सरकार ने इसके ग्रोथ और वैल्यू एडिशन की संभावना के आधार पर इस क्षेत्र के ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। ऑटोमेटिक रूट के तहत इस क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार प्रमोशन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार, डायमंड और गोल्ड के आभूषणों में भारत की कुल एफडीआई 1.2 बिलियन यूएस डॉलर रही। वैश्विक ज्वेलरी उद्योग कई स्ट्रक्चरल बदलाव का सामना कर रहा है जिसकी जानकारी उद्योग के भावी विकास संभावना को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। ग्राहक की मांग जेनेरिक, गैर ब्रांडेड ज्वेलरी से ब्रांडेड फाइन ज्वेलरी की ओर धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। मैकेंजी एंड कंपनी की रिपोर्ट में व्यक्त किए गए अनुमान के अनुसार, आगामी 5 वर्ष में ब्रांडेड फाइन ज्वेलरी क्षेत्र में मजबूत दो अंकीय वृद्धि दर्ज किए जाने की संभावना है जबकि कुल मिलाकर ज्वेलरी मार्केट के सिर्फ एक अंकीय वृद्धि दर्ज किए जाने की उम्मीद है।